

# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 101]

नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 29, 2014/ चैत्र 8, 1936

No. 101]

NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 29, 2014/CHAITRA 8, 1936

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग

अधिसूचना

नई दिल्ली, 25 दिसम्बर, 2013

मि.सं. 15-3/2013 (ए.आर.सी.) पार्ट-III.—विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, (1956) (3-1956) की धारा (ग) के उप-अनुच्छेद (I) के अनुच्छेद 28 में प्रदत्त अधिकारों के क्रियान्वयन के अनुसार विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एतद्वारा निम्न विनियम सृजन करता है, नामतः :-

- (1) यह विनियम "उच्चतर शैक्षिक संस्थानों" में रैंगिंग के जोखिम के निराकरण (द्वितीय संशोधन) विनियम 2013 कहलायेंगे।
- (2) इन विनियमों के अनुलग्नकों—I एवं II के अंतर्गत रैंगिंग के जोखिम पर नियंत्रण के विश्वविद्यालय अनुदान आयोग विनियम 2009 (जो आगे से प्रमुख विनियम के रूप में जाने जाएँगे) इनमें सम्मिलित निम्न वाक्यों का विलोपन किया जाएगा:-

"सत्यनिष्ठापूर्वक पुष्टि की गई एवं इस पत्र की विषयवस्तु को पढ़कर इस (दिन) ..... (माह)..... (वर्ष) को मेरी उपस्थिति में हस्ताक्षरित किया गया।

शपथ आयुक्त'

उपमन्यु बसु, सचिव

[ विज्ञापन-III/4/असा./113/13]

पाद टिप्पणी:- प्रमुख विनियमों को भारत के राजपत्र में अधिसूचना सं. 27 दिनांक 07.07.2009 में प्रकाशित किया गया था।

## अनुलग्नक—I

## छात्र का आरवासन

1. मैं ..... (प्रवेश/पंजकरण/नामांकन संख्या के साथ ही छात्र का पूरा नाम) सुपुत्र/सुपुत्री/..... श्री/श्रीमती/सुश्री ..... जिसे ..... में (संस्थान का नाम) प्रवेश दिया गया है, उसने उच्च शैक्षिक संस्थानों, में 2009, के जोखिम पर नियंत्रण संबंधी यूजीसी विनियमों की प्रति प्राप्त की है (जो इसके आगे से विनियम कहलायेंगे) तथा इन विनियमों में समाविष्ट प्रावधानों को ध्यानपूर्वक पढ़ कर पूरी तरह से समझ लिया है।
2. मैंने, विशेष रूप से इन विनियमों की धारा 3 को ध्यानपूर्वक पढ़ा है तथा मुझे इस बात का संज्ञान है कि रैगिंग में कौन सी बातें सम्मिलित हैं।
3. मैंने विनियमों की धारा 7 एवं 9.1 को भी विशेष रूप से पढ़ा है तथा मैं उस दण्डात्मक एवं प्रशासनिक कार्रवाई के विषय में पूरी तरह से सचेत हूँ जो मेरे विरुद्ध लागू की जा सकती है यदि मैं रैगिंग को बढ़ावा देने के लिए दोषी पाया जाता हूँ अथवा रैगिंग को सक्रिय अथवा छिपे तौर से प्रोत्साहित करने अथवा इस विषय में षड्यन्त्र करने का दोषी पाया जाता हूँ।
4. मैं एतद्वारा सत्यनिष्ठ रूप से प्रमाणित करता/करती हूँ एवं आरवासन देता/देती हूँ कि.....
  - (क) मैं ऐसे किसी व्यवहार अथवा कृत्य में संलिप्त नहीं होऊँगा/होऊँगी जिसे इन विनियमों की धारा 3 के अंतर्गत रैगिंग के रूप में माना जा सकता है।
  - (ख) मैं ऐसे किसी आचरण अथवा अनाचरण के काम में न तो भाग लूँगा/लूँगी न ही उसके षड्यन्त्र में अथवा उसके प्रोत्साहन में शामिल होऊँगा जिस कृत्य को इन विनियमों की धारा 3 के अंतर्गत रैगिंग के रूप में माना गया है।
5. मैं, एतद्वारा प्रमाणित करता/करती हूँ कि यदि मैं दोषी पाया जाता हूँ तो इन विनियमों की धारा 9.1 के अनुसार इनसे बिना पूर्वाग्रह के मैं दण्ड के लिए तथा ऐसी दण्डात्मक कार्रवाई के लिए उत्तरदायी हूँ जो कि अन्य किसी आपराधिक मामले के प्रति किसी चालू दण्डात्मक अथवा अन्य किसी कानून के अनुसार मेरे विरुद्ध की जा सकती है।
6. मैं घोषित करता/करती हूँ कि इस देश के किसी भी संस्थान ने, मुझे रैगिंग के षड्यन्त्र में अथवा इसे प्रोत्साहित करने, इसको बढ़काने में अथवा इसमें भाग लेने के मामले में दोषी पाने के लिए ना तो निष्कासित किया है ना ही प्रवेश से बाधित किया है—और मैं यह भी प्रमाणित करता/करती हूँ कि यदि की गई यह घोषणा असत्य पाई जाती है तो मुझे पूरी जानकारी है कि मेरा प्रवेश निरस्त करने का उत्तरदायित्व मुझ पर होगा।

घोषित किया गया ..... दिन..... माह ..... वर्ष

शपथकर्ता के हस्ताक्षर  
नाम

## सत्यापन

सत्यापित किया जाता है कि यह वचनबद्धता मेरे संज्ञान सर्वांगीण रूप से सत्य है तथा इसका कोई भी अंश असत्य नहीं है तथा इसमें कथित कोई भी बात ना तो छिपाई गई और ना ही अयर्थाथ कही गई है।

सत्यापित (स्थान) ..... दिन ..... माह ..... वर्ष.....

शपथकर्ता के हस्ताक्षर  
नाम:

**माता-पिता/अभिभावक द्वारा दी गई प्रतिबद्धता**

1. श्री/श्रीमती/सुश्री ..... (माता-पिता/अभिभावक का पूरा नाम छात्र का पूरा नाम, उसके प्रवेश/पंजीकरण/नामांकन संख्या सहित) के पिता-माता/अभिभावक, जिसके छात्र को ..... (संस्थान का नाम) में प्रवेश दिया गया है, इसने उच्च शैक्षिक संस्थानों, 2009, में रैगिंग के जोखिम पर नियन्त्रण लगाने से संबद्ध यूजीसी विनियमों (जो आगे से विनियम के नाम से कहलायेंगे) को ध्यानपूर्वक पढ़ लिया है तथा इन विनियमों में समाविष्ट प्रावधानों को पूरी तरह समझ लिया है।
2. मैंने, विशिष्ट रूप से इन विनियमों का अवलोकन किया है तथा मुझे इस ज्ञात की जानकारी है कि रैगिंग में क्या बात शामिल है।
3. मैंने विनियमों की धारा 7 एवं 9.1 का भी विशेष रूप से अध्ययन किया है तथा मैं पूरी तरह से जागरूक हूँ कि यदि मेरी संतान रैगिंग की अथवा रैगिंग में सहायक होने की सक्रिय अथवा छिपे तौर से दोषी पाया/पाई जाती है अथवा रैगिंग को बढ़ावा देने के षडयन्त्र का एक हिस्सा होता/होती है तो उस स्थिति में उसके विरुद्ध जिस दण्डात्मक एवं प्रशासनिक कार्रवाई का वह भागीदार होगा/होगी, वह मेरे संज्ञान में है।
4. मैं एतद्वारा सत्यनिष्ठ रूप से प्रमाणित करता/करती हूँ एवं आश्वासन देता/देती हूँ कि.....  
(क) मेरी संतान ऐसे किसी व्यवहार अथवा कृत्य में संलिप्त नहीं होगी जिसे विनियमों की धारा 3 के अंतर्गत रैगिंग माना गया है।  
(ख) मेरी संतान जान बूझकर अथवा भूलचूक से ऐसे किसी कृत्य में न तो संलिप्त होगी अथवा न ही उसमें सहायक होगी ना ही उसे प्रोत्साहित करेगी जिसे इन विनियमों की धारा 3 के अंतर्गत रैगिंग के रूप में माना गया है।
5. एतद्वारा मैं यह घोषित करता/करती हूँ कि यदि मेरी संतान रैगिंग की दोषी पाई जाती/पाया जाता है तो वह इन विनियमों की धारा 9.1 के अनुसार दण्ड की भागीदार होगा/होगी जो कि किसी भी अन्य आपराधिक कृत्य के पूर्वाग्रह के बिना होगा-तथा जो दण्ड मेरी संतान के विरुद्ध किसी भी दण्ड संबंधी कानून के अथवा वर्तमान में लागू किसी भी अन्य कानून के अनुसार होगा।
6. एतद्वारा मैं यह घोषित करता/करती हूँ कि यदि मेरी संतान इस देश में विद्यमान किसी भी संस्थान द्वारा रैगिंग की दोषी अथवा उसमें सहायक होने कि अथवा षडयन्त्र का एक हिस्से के रूप से दोषी होने के कारण अथवा उसे प्रोत्साहित करने के दोष के कारण निष्कासित नहीं हुई है/हुआ है तथा मैं यह भी पुष्टि करता हूँ कि यदि यह घोषणा असत्य पाई जाती है, तो मेरी संतान को दिया गया प्रवेश निरस्त कर दिया जायेगा।

घोषित किया गया ..... दिन ..... माह ..... वर्ष .....

शपथकर्ता के हस्ताक्षर

नाम:

पता:

दूरभाष सं./मो. नं.:

**सत्यापन**

सत्यापित किया जाता है कि यह वचनबद्धता मेरे संज्ञान में सर्वांगीण रूप से सत्य है तथा इसका कोई भी अंश असत्य नहीं है तथा इसमें कथित कोई भी बात ना तो छिपाई गई है और ना ही अयर्थाथ कही गई है।

सत्यापित (स्थान) ..... दिन ..... माह ..... वर्ष .....

शपथकर्ता के हस्ताक्षर

नाम:

## UNIVERSITY GRANTS COMMISSION

## NOTIFICATION

New Delhi, the 25th December, 2013

No. F. 15-3/2013 (ARC) Pt. III.—In exercise of powers conferred under clause (g) of sub-section (1) of section 26 of the University Grants Commission Act 1956 (3 of 1956), the University Grants Commission hereby makes the following regulations, namely:-

- (1) These regulations may be called the "curbing the Menace of Ragging in Higher Educational Institutions (second Amendment) Regulations, 2013".
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In UGC Regulations on Curbing the Menace of Ragging in Higher Educational Institutions, 2009, (hereinafter referred to as the Principal regulations), in the Annexure-I and II of the regulations, the sentences containing the following shall be deleted:

"Solemnly affirmed and signed in my presence on this (day) of (month), (year) after reading the contents of this affidavit.

OATH COMMISSIONER"

UPAMANYU BASU, Secy.

[ ADVT. III/4/Exty./113/13]

Foot Note: The principal Regulations were published in the Gazette of India, vide notification number 27 dated 04.07.2009.

## ANNEXURE-I

UNDERTAKING BY THE STUDENT

I, (full name of student with admission/registration/enrolment number) s/o d/o Mr./Mrs./Ms.           , having been admitted to (name of the institution), have received a copy of the UGC Regulations on Curbing the Menace of Ragging in Higher Educational Institutions, 2009, (hereinafter called the "Regulations") carefully read and fully understood the provisions contained in the said Regulations.

- (2) I have, in particular, perused clause 3 of the Regulations and am aware as to what constitutes ragging.
- (3) I have also, in particular, perused clause 7 and clause 9.1 of the Regulations and am fully aware of the penal and administrative action that is liable to be taken against me in case I am found guilty of or abetting ragging, actively or passively, or being part of a conspiracy to promote ragging.
- (4) I hereby solemnly aver and undertake that
  - (a) I will not indulge in any behaviour or act that may be constituted as ragging under clause 3 of the Regulations.
  - (b) I will not participate in or abet or propagate through any act of commission or omission that may be constituted as ragging under clause 3 of the Regulations.

- (5) I hereby affirm that, if found guilty of ragging, I am liable for punishment according to clause 9.1 of the Regulations, without prejudice to any other criminal action that may be taken against me under any penal law or any law for the time being in force.
- (6) I hereby declare that I have not been expelled or debarred from admission in any institution in the country on account of being found guilty of, abetting or being part of a conspiracy to promote, ragging; and further affirm that, in case the declaration is found to be untrue, I am aware that my admission is liable to be cancelled.

Declared this \_\_\_\_\_ day of \_\_\_\_\_ month of \_\_\_\_\_ year.

\_\_\_\_\_  
Signature of deponent  
Name:

#### VERIFICATION

Verified that the contents of this undertaking are true to the best of my knowledge and no part of the undertaking is false and nothing has been concealed or misstated therein.

Verified at \_\_\_\_\_ (place) on this the \_\_\_\_\_ (day) of \_\_\_\_\_ (month), \_\_\_\_\_ (year).

\_\_\_\_\_  
Signature of deponent  
Name:

#### ANNEXURE-II

#### UNDERTAKING BY PARENT/GUARDIAN

I, Mr./Mrs./Ms. \_\_\_\_\_ (full name of parent/guardian) father/mother/guardian of, (full name of student with admission / registration/enrolment number) \_\_\_\_\_, having been admitted to \_\_\_\_\_ (name of the Institution) \_\_\_\_\_, have received a copy of the UGC Regulations on Curbing the Menace of Ragging in Higher Educational Institutions, 2009, (hereinafter called the "Regulations"), carefully read and fully understood the provisions contained in the said Regulations."

- (2) I have, in particular, perused clause 3 of the Regulations and am aware as to what constitutes ragging.
- (3) I have also, in particular, perused clause 7 and clause 9.1 of the Regulations and am fully aware of the penal and administrative action that is liable to be taken against my ward in case he/she is found guilty of or abetting ragging, actively or passively, or being part of a conspiracy to promote ragging.
- (4) I hereby solemnly aver and undertake that
- (a) My ward will not indulge in any behaviour or act that may be constituted as ragging under clause 3 of the Regulations.
- (b) My ward will not participate in or abet or propagate through any act of commission or omission that may be constituted as ragging under clause 3 of the Regulations.
- (5) I hereby affirm that, if found guilty of ragging, my ward is liable for punishment according to clause 9.1 of the Regulations, without prejudice to any other criminal action that may be taken against my ward under any penal law or any law for the time being in force.

1431 G/14-2

- (6) I hereby declare that my ward has not been expelled or debarred from admission in any institution in the country on account of being found guilty of, abetting or being part of a conspiracy to promote, ragging; and further affirm that, in case the declaration is found to be untrue, the admission of my ward is liable to be cancelled.

Declared this \_\_\_\_\_ day of \_\_\_\_\_ month of \_\_\_\_\_ year.

\_\_\_\_\_  
Signature of deponent

Name:

Address:

Telephone/Mobile No.:

**VERIFICATION**

Verified that the contents of this undertaking are true to the best of my knowledge and no part of the undertaking is false and nothing has been concealed or misstated therein.

Verified at (Place) on this the (day) of (month) (year).

\_\_\_\_\_  
Signature of deponent

Name:

**INFORMATION EDUCATION COMMUNICATION (IEC)  
GUIDELINES FOR COUNCILS, UNIVERSITIES & COLLEGES  
Curbing the Menace of Ragging**



# **INFORMATION EDUCATION COMMUNICATION (IEC) GUIDELINES FOR COUNCILS, UNIVERSITIES & COLLEGES**

© University Grant Commission (UGC), 2022

## **DISCLAIMER**

All rights reserved. The publication is developed as part of University Grant Commission (UGC) National Ragging Prevention Programme for disseminating the information to the Councils, Universities and the Colleges in India.

[www.ugc.ac.in](http://www.ugc.ac.in)

[www.antiragging.in](http://www.antiragging.in) and [www.c4yindia.org](http://www.c4yindia.org)





[www.c4yindia.org](http://www.c4yindia.org)



**ANTI  
RAGGING**

[www.antiragging.in](http://www.antiragging.in)



## CONTENT

Ragging Menace.....	2
Zero Tolerance Policy in India .....	3
Anti-Ragging Regulatory Framework in India .....	4
Important Links for the Students, Colleges, Universities and Councils .....	7
Higher Education Institutions in India (HEIs) .....	8
Awareness Measures for Ragging free Campuses .....	9
Awareness Collaterals .....	10

## ABBREVIATIONS

ACP	Assistant Commissioner of Police	INC	Indian Nursing Council
AICTE	All India Council of Technical Education	IT	Information Technology
ARC	Anti-Ragging Committee	MCI	Medical Council of India
ASP	Assistant Superintendent of Police	NCRI	National Council for Rural Institutes
BCI	Bar Council of India	NCTE	National Council for Teacher Education
C4Y	Centre for Youth	PCI	Pharmacy Council of India
CCH	Central Council of Homeopathy	RCI	Rehabilitation Council of India
CCIM	Central Council for Indian Medicine	SCHE	State Councils of Higher Education
COA	Council of Architecture	SHO	Station House Officer
DCI	Dental Council of India	SP	Superintendent of Police
DCP	Deputy Commissioner of Police	SPC	Statutory Professional Councils
FAQ	Frequently Asked Question	SSP	Senior Superintendent of Police
ICAR	Indian Council for Agricultural Research	UGC	University Grants Commission
IEC	Information Education Communication		

## **RAGGING MENACE**

Ragging is a disturbing reality in the higher education system of our country. Despite the fact that over the years, ragging has claimed hundreds of innocent lives and has ruined the careers of thousands of bright students, the practice is still perceived by many as a way of 'familiarisation' and an 'initiation into the real world' for young college-going students.

The Ragging is defined as any disorderly conduct, whether by words spoken or written or by an act, has the effect of teasing, treating, or handling with rudeness a fresher or a junior student. Indulging in a rowdy or undisciplined activity that causes or is likely to cause annoyance, hardship, or psychological harm or to raise fear or apprehension thereof in a fresher or junior student. Asking the students to do any act or perform something that such students will not do in the ordinary course and which has the effect of causing or generating a sense of shame or embarrassment so as to adversely affect the physique or psyche of a fresher or junior student. This can lead to adverse effects such as depression, anxiety, and sometimes even suicide.

### **Punishment Provisions**

Any student or group of students found guilty of ragging on campus or off campus shall be liable to one or more of the following punishments:

- Debarring from appearing in any sessional test/ university examination or withholding results
- Suspension from attending classes and academic privileges
- Withdrawing scholarships and other benefits
- Suspension from the college for a period of one month
- Cancellation of admission
- Debarring from representing the institution in any national or international meet, tournament, youth festival, etc
- Suspension/expulsion from the hostel
- Rustication from the institution for periods varying from 1 to 4 semesters or equivalent period
- Expulsion from the institution and consequent debarring from admission to any other institution
- Fine up to twenty five thousand rupees
- Imprisonment for a term which may extend to two years or with fine which may extend to ten thousand rupees or with both
- Collective punishment - When the students committing or abetting the crime of ragging are not identified, the institution shall resort to collective punishment as a deterrent to ensure community pressure on the potential raggars.

Any institution that fails to take adequate steps to prevent ragging or fails to act in accordance with the Regulations or fails to punish perpetrators or incidents of ragging suitably is liable to the penalties and punishments as per the provisions of the Regulations.

[www.antiragging.in/assets/pdf/information/english/what\\_constitues\\_ragging.pdf](http://www.antiragging.in/assets/pdf/information/english/what_constitues_ragging.pdf)

[www.c4yindia.org/Home/AntiRagging](http://www.c4yindia.org/Home/AntiRagging)

# ZERO TOLERANCE POLICY IN INDIA

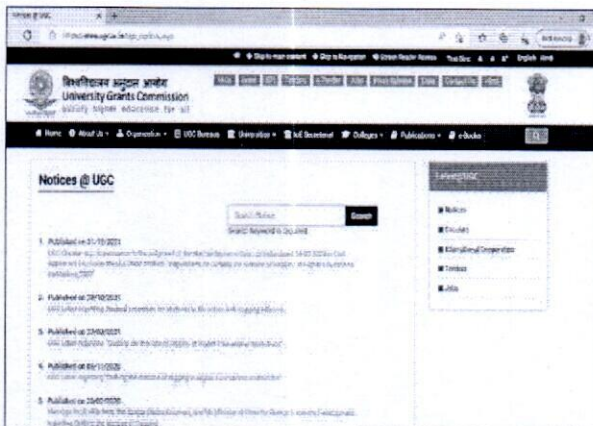
No act of ragging, major or minor, shall go unnoticed. No ragger, male or female, student or non-student, shall go unpunished. No institution that fails to take action against ragging shall be allowed to operate.

The Supreme Court, in its judgement dated 08 May 2009 ordered the implementation of a ragging prevention programme comprising, inter alia, setting up a toll-free anti-ragging helpline/ call center, a database of institutions/ students, and engaging an independent non-government agency as the monitoring agency.

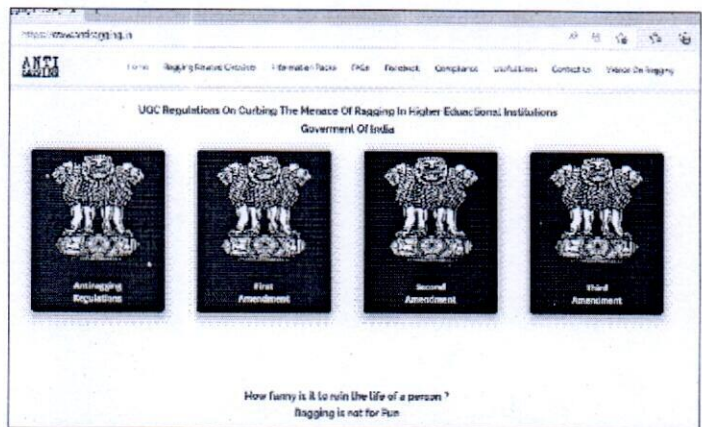
Regulatory provisions and the appropriate law are in force to eliminate ragging in all its forms from the universities, deemed universities and other higher educational institutions in the country by prohibiting, preventing its occurrence and punishing those who indulge in ragging.

## UGC Regulations on curbing the menace of Ragging in Higher Educational Institutions, 2009

Ragging is a criminal offense and UGC has framed regulations on curbing the menace of ragging in higher educational institutions in order to prohibit, prevent and eliminate the scourge of ragging. In pursuance to the Judgment of the Hon'ble Supreme Court of India dated 08.05.2009 in Civil Appeal No. 887/2009, in exercise of the powers conferred by clause (g) of sub-section (1) of section 26 of the University Grants Commission Act, 1956, the UGC notified "Regulations on Curbing the Menace of Ragging in Higher Educational Institutions, 2009". These regulations are mandatory for all universities/ institutions.



**Notices @ UGC**  
[www.ugc.ac.in/ugc\\_notices.aspx](http://www.ugc.ac.in/ugc_notices.aspx)



**UGC Regulations**  
[www.antiragging.in/assets/pdf/annexure/Annexure-I.pdf](http://www.antiragging.in/assets/pdf/annexure/Annexure-I.pdf)

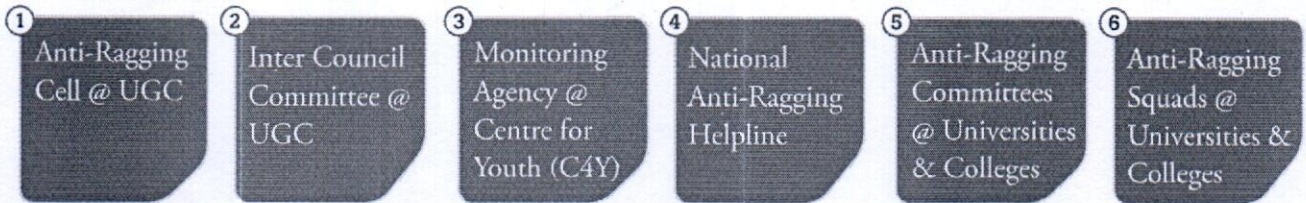
# ANTI-RAGGING REGULATORY FRAMEWORK IN INDIA

## ▶ **Anti-Ragging Monitoring Committee, Ministry of Education, Government of India**

The Anti-Ragging Committee for monitoring measures to prevent ragging in higher educational institutions is constituted in the Ministry of Education, Government of India.

## ▶ **University Grant Commission (UGC)**

As per the directions of the Government of India, the UGC established the following regulatory framework mechanism to curb the menace of ragging in the country.



## ▶ **UGC Anti-Ragging Cell**

The Anti-Ragging Cell within UGC is an instructional mechanism to provide secretarial support for the collection of information, monitoring and to coordinate with the State Level Monitoring Cell and Universities Level Committees for effective implementation of anti-ragging measures. The Cell also coordinates with the Monitoring Agency.

## ▶ **Inter Council Committee, UGC**

The UGC has constituted an Inter-Council Committee, consisting of representatives of the various Councils and the Monitoring Agency. Such bodies in higher education are to coordinate and monitor the anti-ragging measures in institution across the country and to make recommendations from time to time.

## ▶ **The National Anti-Ragging Helpline**

The National Anti-Ragging Help Line 24x7 Toll Free number is 1800-180-5522. The support is provided for queries related to ragging, compliant registration, among others.

## ▶ **Monitoring Agency**

The Centre for Youth (C4Y) is the Monitoring Agency from April 01, 2022 ([www.c4yindia.org](http://www.c4yindia.org)) to support the National Ragging Prevention Programme in the country. The monitoring agency is working towards:

1. Establishing the National 24x7 Anti-Ragging Helpline
2. Software development (IT) for the operation of the national anti-ragging helpline
3. Development and updating the anti-ragging website ([www.antiragging.in](http://www.antiragging.in)) and monitoring agency website ([www.c4yindia.org](http://www.c4yindia.org))
4. Building an online reporting mechanism for UGC, councils, universities and colleges
5. Conducting trainings of helpline executives
6. Supervising the performance of the helpline and executives
7. Ensuring efficiency and ease of operations for the national helpline, UGC, colleges, universities, and the students
8. Creating awareness to demote ragging in universities, colleges across India
9. Monitoring of the databases maintained by the commission

### ► **The Councils, Regulatory Bodies**

The 15 councils in India are making collaborative efforts with UGC to address the menace of ragging. They have been issuing directions and monitoring the affiliated universities and colleges for adhering to the regulatory provisions and compliances. They participate in UGC Inter-Council meetings and the Anti-Ragging Monitoring Committee meetings of the Ministry of Education, Government of India for updates and strategies. The councils are:

1. All India Council of Technical Education (AICTE)
2. Bar Council of India (BCI)
3. Council of Architecture (COA)
4. Dental Council of India (DCI)
5. Indian Council for Agricultural Research (ICAR)
6. Indian Council of Medical Research (ICMR)
7. Indian Nursing Council (INC)
8. Mahatma Gandhi National Council of Rural Education (MGNCRE)
9. National Commission for Homoeopathy (NCH)
10. National Commission for Indian System of Medicine (NCISM)
11. National Council for Hotel Management & Catering Technology (NCHMCT)
12. National Council for Teacher Education (NCTE)
13. National Medical Commission (NMC)
14. Pharmacy Council of India (PCI)
15. Rehabilitation Council of India (RCI)
16. Sports Authority of India (SAI)
17. Veterinary Council of India (VCI)

### ► **The Anti-Ragging Committee (ARC), Universities and Colleges**

The Anti-Ragging Committee is instituted at each college or university to ensure compliance with the provisions of the regulations as well as the provisions of any law for the time being in force concerning ragging; investigate complaints and also, monitor and oversee the performance of the Anti-Ragging Squad in prevention of ragging in the institution. The Anti-Ragging Committee is responsible for inculcating a culture of Ragging Free Environment on Campus. The Anti-Ragging Committee is involved in designing strategies and action plan for curbing the menace of ragging in the college by adopting an array of activities. The committee is also responsible for conducting awareness programmes from time-to-time on campus.

### ► **Anti-Ragging Squads, Universities and Colleges**

The Anti-Ragging Squad office bearers work under the supervision and guidance of the Anti-Ragging Committee and engage in checking places like hostels, buses, canteens, grounds, classrooms and other places of student congregation to keep a vigil and stop the incidences of ragging, if any, and report them if they happen. The squad role is also to educate the students at large by adopting various means about the menace of ragging and related punishments there to.

## ▶ Transparent Complaint Process

Specifically, after registering the complaint, the helpline executives forward it to four Higher Authorities:

**University Vice-Chancellor | College Principal | SHO | City SP/SSP/DCP/ASP/ACP | Council**

The team at the national helpline undertakes follow-up with the college's Anti-Ragging Committee (ARC) for investigation and ARC report till the satisfaction of the victim/ complainant. The complaint remains active in the helpline until the victim/ complainant is satisfied with the action taken by the authorities. The consent in writing for closing the complaint is taken from the victim/ complainant.

If the case is not resolved to the satisfaction of the victim/ complainant, the national helpline escalates the case to the Monitoring Agency for further action in terms of advice, second opinion, or follow-up by the Monitoring agency itself.

If the complainant is not satisfied with the action taken by the college or the college authorities are not cooperating with the helpline centre, such cases are escalated to the University Grants Commission and the respective council for intervention.

There is an online management system set up in the UGC premises for UGC to act on the complaints that have been escalated to UGC. Any actions in terms of writing a letter, email, phone calls etc. are being logged into the case file of the respective complaint. The case file is also visible to the victim/ complainant - [www.ugc.ac.in](http://www.ugc.ac.in)

**The status of the complaint with complete follow-up can be accessed at the link below with specific complaint number:**

Enter Complaint Number To Check Status

Complaint registered Before April 2022	Complaint registered From April 2022
<input type="text" value="Complaint Number"/> <input type="button" value="Submit"/>	<input type="text" value="Complaint Number"/> <input type="button" value="Submit"/>

[www.antiragging.in](http://www.antiragging.in)

**Note:** The helpline NEVER discloses the identity of the victim without their permission and consent.

### Ragging Complaints Registration

The students in distress due to ragging-related incidents can contact National Anti-Ragging Helpline 1800-180-5522 (24x7 Toll Free) or e-mail to [helpline@antiragging.in](mailto:helpline@antiragging.in).

Or

They may also contact UGC Monitoring Agency i.e. Centre for Youth (C4Y) at [antiragging@c4yindia.org](mailto:antiragging@c4yindia.org) or 011-41619005 or 98180 44577 (only in case of emergency).

# IMPORTANT LINKS FOR THE STUDENTS, COLLEGES, UNIVERSITIES AND COUNCILS

## ► Students and Parents Undertaking Affidavit

In compliance of the second amendment in UGC Regulations, it is compulsory for each student and every parent to submit an online Anti-Ragging undertaking affidavit every academic year. The universities and colleges are also requested to implement the revised procedure for students to file online Anti-Ragging affidavits. The student will receive an e-mail with her/ his registration number. The student will forward that e-mail to the Nodal officer in her/ his university/college e-mail. (Please note that the student will not receive pdf affidavits and she/ he is not required to print & sign it as it used to be in the earlier case).

*Link to fill out the online undertaking affidavit by students and parents:*

[www.antiragging.in/affidavit\\_registration\\_disclaimer.html](http://www.antiragging.in/affidavit_registration_disclaimer.html) | [www.c4yindia.org/Home/Undertaking](http://www.c4yindia.org/Home/Undertaking)

## ► Ragging Complaints Registration

The complaints of ragging are being registered through the following means:

1. Via e-mail: [helpline@antiragging.in](mailto:helpline@antiragging.in)
2. National Anti-Ragging Help Line: 1800-180-5522. 24x7 Toll Free Number
3. Suo Motto via Social Media platforms, news, reporters, influencers, social workers among others

*Links for filling out ragging complaints:*

The National Anti-Ragging Helpline website - [www.antiragging.in](http://www.antiragging.in)

The Monitoring Agency website - [www.c4yindia.org](http://www.c4yindia.org)

## ► Universities and Colleges Compliance

The UGC regulation has made it mandatory for the universities and colleges to demote ragging in their campuses and follow the compliances to achieve these objectives. The universities are requested to fill online compliance and also immediately instruct all the colleges under their purview to follow it.

*Link for 'confirmation on compliance being followed':*

[www.antiragging.in/compliance\\_disclaimer.html](http://www.antiragging.in/compliance_disclaimer.html) | [www.c4yindia.org/Home/CollegeCompliance](http://www.c4yindia.org/Home/CollegeCompliance)

## ► Colleges and Universities Contact Details

As per the order of the Hon'ble Supreme Court, it is mandatory for the college and university authorities to update their details each year, so that college students can navigate the college or university details while filing the undertaking affidavit.

*Link to update college or university details:*

[www.antiragging.in/compliance\\_disclaimer.html](http://www.antiragging.in/compliance_disclaimer.html) | <https://www.c4yindia.org/Home/UpdateCollCont>

## ► Councils Reporting

The various councils in India are the statutory bodies for regulating universities and colleges. The measures undertaken by them to curb the menace of ragging in their respected affiliated universities and colleges are to be mandatorily reported.

*Link to upload the council's reports:*

[www.antiragging.in/admin/login.php](http://www.antiragging.in/admin/login.php)



## HIGHER EDUCATION INSTITUTIONS IN INDIA (HEIs)

UGC Regulations on 'Curbing the Menace of Ragging in Higher Educational Institutions, 2009' are mandatory and all higher education institutions are required to take necessary steps for its implementation including the monitoring mechanism. Any violation of these regulations will be viewed seriously. If any institution fails to take adequate steps to prevent ragging or does not act in accordance with these Regulations or fails to punish perpetrators of incidents of ragging suitably, it will attract punitive action against itself by the UGC.

The requisite mandatory action for curbing the menace of ragging in all Higher Educational Institutions in India:

- Strengthen and augment anti-ragging mechanism by way of adequate publicity through various mediums
- Constitution of Anti-Ragging committee and Anti-Ragging squad
- Establish Anti-Ragging Cell
- Install CCTV cameras at vital points
- Organise anti-ragging interaction, workshops and seminars for the freshers and the senior students
- After the commencement of the academic year organised professional counselling of the students
- Ensure identification of trouble triggers and take appropriate action
- Mention of Anti-Ragging warnings in the institution's E-prospectus and E-information booklets/ brochures
- Conduct surprise inspections of hostels, students, accommodation, canteens, rest cum recreational rooms, toilets, bus stands, and all other strategic locations
- Undertake all other measures that would augur well in preventing/ quelling ragging and any uncalled-for behaviour and the incident.

### Website with nodal officers' complete details

Universities/ colleges have to display the email address and contact number of the Nodal Officer of the Anti-Ragging Committee of their university/ college on their website and campus areas like Admission Centre, Departments, Library, Canteen, Hostel, Common facilities, etc.

### Admission Form

Universities and colleges are requested to insert a mandatory column in their university/ colleges admission form as per the given format:

Anti-Ragging Undertaking Reference no:	
--	--

# AWARENESS MEASURES FOR RAGGING FREE CAMPUSES

- Every public declaration of intent by any institution in electronic, audio-visual, online, social media, print, website, admission prospectus/ booklet or any other media should expressly mention that ragging is totally prohibited in the institution at the time of admission of students in any course.
- The brochure of admission/ instruction booklet or prospectus, whether in print or electronic format, shall prominently print these regulations in full.
- Institutions should display posters in all prominent locations showcasing the provisions of penal law applicable to incidents of ragging.
- At the end of each academic year, the institution should send a letter to the parents/ guardians informing them about the Regulations and any law for the time being enforced prohibiting ragging and its punishments.
- Institutions can issue public notices in the newspapers, update their websites with the nodal officer's complete details.
- Every fresher should be provided with a printed leaflet with all the information to seek help and guidance from all authorities and agencies, and a calendar of events and activities laid down by the institution to facilitate and complement the familiarisation of freshers with the academic environment of the institution.
- Institutions should conduct joint sensitisation and orientation programmes for both freshers and senior students.
- Institutions should constitute Anti-Ragging Committee and Anti-Ragging Squad which will be responsible for spreading awareness and preventing the occurrence of ragging.
- Meeting of all staff, functionaries and agencies before the commencement of the academic session.
- Institutions should launch a publicity campaign against ragging before the commencement of the academic year.
- After the commencement of the academic year, the batch of freshers should be divided into small groups and assigned to the faculty for difficulties and guidance.
- Random anonymous survey should be done among students about ragging, and it should be a regular practice in the institution.

## In Nutshell

- Brochure of admission/instruction booklet or the prospectus
- Leaflets
- Posters
- Institution website
- Meetings
- Publicity campaign
- Seminars and workshops
- Professional counselling
- Orientation programmes
- Large scale cultural, sports and other activities

▶ UGC designed and distributed four types of posters amongst Universities/ Regulatory Authorities/ Councils/ IITs/ NITs/ other educational institutions for their prominent display. These anti-ragging posters must be displayed at all prominent places like the Admission centre, Departments, Library, canteen, Hostel, Common facilities, etc. These posters are available on UGC website. The size of the posters should be 8x6 feet.

▶ UGC developed 05 TVCs of 30 seconds each with different perspectives i.e. Parents, victims, and Offenders.

# AWARENESS COLLATERALS

## ► Posters



Download: [www.ugc.ac.in/pdfnews/4957638\\_poster-ragging.pdf](http://www.ugc.ac.in/pdfnews/4957638_poster-ragging.pdf)

## ► Videos



[www.antiragging.in/video.html](http://www.antiragging.in/video.html)

## ► Frequently Asked Questions (FAQ)

[www.antiragging.in/faqs.html](http://www.antiragging.in/faqs.html) | [www.c4yindia.org/Home/AntiRagging](http://www.c4yindia.org/Home/AntiRagging)

## **REACH OUT**

### **University Grant Commission (UGC)**

Bahadur Shah Zafar Marg  
New Delhi 110 002  
P: 91 11 2360 4446; 2360 4200  
E: [contact.ugc@nic.in](mailto:contact.ugc@nic.in)

### **UGC Anti-Ragging Cell (ARC)**

NET Bureau, South Campus of Delhi University,  
Benito Jhuarez Marg, New Delhi 110 021  
P: 91 11 2411 2087  
E: [raggingcell@yahoo.in](mailto:raggingcell@yahoo.in)

### **Monitoring Agency**

Centre for Youth (C4Y)  
New Delhi 110 068  
P: 91 11 4161 9005  
E: [antiragging@c4yindia.org](mailto:antiragging@c4yindia.org)

### **National Anti-Ragging Helpline**

New Delhi 110 007  
P: 1800 180 5522  
E: [helpline@antiragging.in](mailto:helpline@antiragging.in)

**NATIONAL RAGGING PREVENTION PROGRAMME**

**[www.ugc.ac.in](http://www.ugc.ac.in)**

**[www.antiragging.in](http://www.antiragging.in) and [www.c4yindia.org](http://www.c4yindia.org)**

ANNEXURE I  
ADMINISTRATIVE ACTION IN THE EVENT OF RAGGING

The Institution shall punish a student found guilty of ragging after following the procedure and in the manner prescribed hereinunder:

- a) The Anti-Ragging Committee of the institution shall take an appropriate decision, in regard to punishment or otherwise, depending on the facts of each incident of ragging and nature and gravity of the incident of ragging established in the recommendations of the Anti-Ragging Squad.
- b) The Anti-Ragging Committee may, depending on the nature and gravity of the offence established by the Anti-Ragging Squad, award, to those found guilty, one or more of the following punishments, namely:
  - i. Suspension from attending classes and academic privileges.
  - ii. Withholding/withdrawing scholarship/fellowship and other benefits.
  - iii. Debarring from appearing in any test/examination or other evaluation process.
  - iv. Withholding results.
  - v. Debarring from representing the institution in any regional, national or international meet, tournament, youth festival, etc.
  - vi. Suspension/expulsion from the hostel.
  - vii. Cancellation of admission.
  - viii. Rustication from the institution for period ranging from one to four semesters.
  - ix. Expulsion from the institution and consequent debarring from admission to provided that where the persons committing or abetting the act of ragging are not identified, the institution shall resort to collective punishment.
- c) **An appeal against the order of punishment by the Anti-Ragging committee shall lie,**
  1. In case of an order of an institution, affiliated to or constituent part, of a university, to the Vice Chancellor of the university;
  2. In case of an order of a university, to its Chancellor.
  3. In case of an institution of national importance created by an Act of Parliament, to the Chairman or Chancellor of the Institution, as the case may be.

**ANNEXURE II**  
**AFFIDAVIT BY THE STUDENT**

I, \_\_\_\_\_ (full name of student with admission/registration/enrolment number)  
S/O d/O Mr. /Mrs. /Ms. \_\_\_\_\_, having been  
admitted to \_\_\_\_\_ (name of the institution), have received a copy  
of the UGC Regulations on Curbing the Menace of Ragging in higher Educational  
Institutions, 2009, (hereinafter called the "Regulations") carefully read and fully  
understood the provisions contained in the said Regulations.

2) I have, in particular, perused clause 3 of the Regulations and am aware as to what  
constitutes ragging.

3) I have also, in particular, perused clause 7 and clause 9.1 of the Regulations and  
am fully aware of the penal and administrative action that is liable to be taken against  
me in case I am found guilty of or abetting ragging, actively or passively, or being  
part of a conspiracy to promote ragging.

4) I hereby solemnly aver and undertake that

a) I will not indulge in any behaviour or act that may be constituted as ragging  
under clause 3 of the Regulations.

b) I will not participate in or abet or propagate through any act of commission or  
omission that may be constituted as ragging under clause 3 of the Regulations.

5) I hereby affirm that, if found guilty of ragging, I am liable for punishment according  
to clause 9.1 of the Regulations, without prejudice to any other criminal action that  
may be taken against me under any penal law or any law for the time being in force.

6) I hereby declare that I have not been expelled or debarred from admission in any  
institution in the country on account of being found guilty of, abetting or being part of  
a conspiracy to promote, ragging; and further affirm that, in case the declaration is  
found to be untrue, I am aware that my admission is liable to be cancelled.

Declared this \_\_\_\_\_ day of \_\_\_\_\_ month of \_\_\_\_\_ year

\_\_\_\_\_  
Signature of deponent  
Name:

**VERIFICATION**

Verified that the contents of this affidavit are true to the best of my knowledge and no  
part of the affidavit is false and nothing has been concealed or misstated therein.

Verified at (place) on this the (day) of (month), (year)

\_\_\_\_\_  
Signature of deponent

Solemnly affirmed and signed in my presence on this the (day) of (month), (year)  
after reading the contents of this affidavit.

**OATH COMMISSIONER**

**ANNEXURE III**  
**AFFIDAVIT BY PARENT/GUARDIAN**

1) Mr, /Mrs, /Ms. \_\_\_\_\_ (full name of parent/guardian) father/mother/guardian of, full name of student with admission/registration/enrolment number, have been admitted to name of the institution, have received a copy of the UGC Regulations on Curbing the Menace of Ragging in Higher Education Institutions, 2009, (hereinafter called the "Regulations"), carefully read and fully understood the provisions contained in the said Regulations.

2) I have, in particular, perused clause 3 of the Regulations and am aware as to what constitutes ragging.

3) I have also, in particular, perused clause 7 and clause 9.1 of the Regulations and am fully aware of the penal and administrative action that is liable to be taken against my ward in case he/she is found guilty of or abetting ragging, actively or passively, or being [part of a conspiracy to promote ragging..

4) I hereby solemnly aver and undertake that

a) My ward will not indulge in my behaviour or act that may be constituted as ragging under clause 3 of the Regulations.

b) My ward will not participate in or abet or propagate through any act. Of commission or omission that may be constituted as ragging under clause 3 of the Regulations.

5) I hereby affirm that, if found guilty of ragging, my ward is liable for punishment according to clause 9.1 of the Regulations, without prejudice to any other criminal action that may be taken against my ward under any penal law or any law for the time being in force.

6) I hereby declare that my ward has not been expelled or debarred from admission in may institution in the country on account of being found guilty of, abetting or being part of a conspiracy to promote, ragging; and further affirm that, in case the declaration is found to be untrue, the admission of my ward is liable to be cancelled.

Declared this \_\_\_\_\_ day of \_\_\_\_\_ month of \_\_\_\_\_ year.

\_\_\_\_\_  
Signature of deponent  
Name  
Address  
Telephone/Mobile No:

**VERIFICATION**

Verified that the contents of this affidavit are true to the best of my knowledge and no part of the affidavit is false and nothing has been concealed or misstated therein.

Verified at (Place) on this the (day) of (month), (year).

\_\_\_\_\_  
Signature of deponent

Solemnly affirmed and signed in my presence on this the (day) of (month), (year) after reading the contents of this affidavit.

**OATH COMMISSIONER**

(AMENDMENTS INCORPORATED UPTO APRIL -2018)

## MEDICAL COUNCIL OF INDIA

### NOTIFICATION

New Delhi, the 3<sup>rd</sup> August, 2009

No. MCI-34(1)/2009-Med./25453, In exercise of the powers conferred by Section 33 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956) the Medical Council of India with the previous sanction of the Central Government hereby makes the following Regulations, namely:-

**1. Short title, commencement and applicability**

- (i) These Regulations may be called the Medical Council of India (Prevention and Prohibition of Ragging in Medical Colleges/Institutions) Regulations, 2009.
- (ii) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

**2. Objective:-**

To root out ragging in all its forms from medical colleges/institutions in the country by prohibiting it by law, preventing its occurrence by following the provisions of these Regulations and punishing those who indulge in ragging as provided for in these Regulations and the appropriate law in force.

**3. Definitions:- For the purposes of these Regulations:-**

- 3.1 "Medical College" means an institution, whether known as such or by any other name, which provides for a programme, beyond 12 years of schooling, for obtaining recognized MBBS qualification from a university and which, in accordance with the rules and regulations of such university, is recognized as competent to provide for such programmes of study and present students undergoing such programmes of study for the examination for the award of recognized MBBS/PG Degree/Diploma qualifications.
- 3.2 "Head of the institution" means the Dean/Principal/Director of the concerned medical college/institution.
- 3.3 "Ragging" includes the following:

Any conduct whether by words spoken or written or by an act which has the effect of harassing, teasing, treating or handling with rudeness any other student, indulging in rowdy or undisciplined activities which causes or is likely to cause annoyance, hardship or psychological harm or to raise fear or apprehension thereof in a fresher or a junior student or asking the students to do any act or perform something which such student will not in the ordinary course and which has the effect of causing or generating a sense of shame or embarrassment so as to adversely affect the physique or psyche of a fresher or a junior student.



The above sub-clause 3.3 shall be substituted in terms of notification published on 28.03.2016 in the Gazette of India with the following:

3.3 Ragging" includes the following:

*Any conduct whether by words spoken or written or by an act which has the effect of harassing, teasing, treating or handling with rudeness any other student, indulging in rowdy or undisciplined activities which causes or is likely to cause annoyance, hardship or psychological harm or to raise fear or apprehension thereof in a fresher or a junior student or asking the students to do any act or perform something which such student will not in the ordinary course and which has the effect of causing or generating a sense of shame or embarrassment so as to adversely affect the physique or psyche of a fresher or a junior student. The conduct includes but is not restricted to any act by a senior student that prevents, disrupts or disturbs the regular academic activity of any other student or a fresher; exploiting the services of a fresher, or any other students for completing the academic tasks assigned to an individual or a group of students; any act of financial extortion or forceful expenditure burden put on a fresher or any other student by students; any act of physical abuse including all variants of it: sexual abuse, homosexual assaults, stripping, forcing obscene and lewd acts, gestures, causing bodily harm or any other danger to health or person; any act or abuse by spoken words, emails, post, public insults which would also include deriving perverted pleasure, "vicarious or sadistic thrill from activity or passively participating in the discomfiture to fresher or any other students; any act that affects the mental health and self-confidence of a fresher or any other student with or without an intent to derive a sadistic pleasure or showing off power, authority or superiority by a student over any fresher or any other student.*

***The following have been added after sub-clause 3.3 in terms of notification published on 05.04.2018 in the Gazette of India .***

*"Any act of physical or mental abuse (including bullying and exclusion) targeted at another student (fresher or otherwise) on the ground of colour, race, religion, caste, ethnicity, gender (including transgender), sexual orientation, appearance, nationality, regional origins, linguistic identity, place of birth, place of residence or economic background."*

3.4 MCI means MCI constituted in terms of Section 3 of Indian Medical Council Act, 1956.

3.5 "University" means a university established or incorporated by or under a Central Act, a Provincial Act or a State Act, an institution deemed to be university under Section 3 of the UGC Act, 1956, or an institution specially empowered by an Act of Parliament to confer or grant degrees.

**4. Punishable ingredients of Ragging:-**

- Abetment to ragging;
- Criminal conspiracy to rag;
- Unlawful assembly and rioting while ragging;
- Public nuisance created during ragging;
- Violation of decency and morals through ragging;
- Injury to body, causing hurt or grievous hurt;
- Wrongful restraint;
- Wrongful confinement;
- Use of criminal force;
- Assault as well as sexual offences or even unnatural offences;
- Extortion;
- Criminal trespass;

- Offences against property;
- Criminal intimidation;
- Attempts to commit any or all of the above mentioned offences against the victim(s);
- Physical or psychological humiliation.
- All other offences following from the definition of "Ragging".

**5. Measures for prohibition of ragging:-**

- 5.1 The Medical College/Institution / University shall strictly observe the provisions of the Act of the Central Government and the State Governments, if any, or if enacted and / or for the time being in force, considering ragging as a cognizable offence under the law at par with rape and other atrocities against women and ill-treatment of persons belonging to the SC/ST and prohibiting ragging in all its forms in all institutions.
- 5.2 Ragging in all its forms shall be totally banned in the entire Medical College/Institution / University including its departments, constituent units, all its premises (academic, residential, sports, canteen, etc) whether located within the campus or outside and in all means of transportation of students whether public or private.
- 5.3 The Medical College/Institution / University shall take strict action against those found guilty of ragging and/or of abetting ragging.

**6. Measures for prevention of ragging at the institution level:-**

**6.1 Before admissions:-**

- 6.1.1 The advertisement for admissions shall clearly mention that ragging is totally banned / prohibited in the Medical College/Institution and anyone found guilty of ragging and/or abetting ragging is liable to be punished appropriately.
- 6.1.2 The brochure of admission/instruction booklet for candidates shall print in block letters these Regulations in full (including Annexures).
- 6.1.3 The 'Prospectus' and other admission related documents shall incorporate all directions of the Hon'ble Supreme Court and /or the Central or State Governments as applicable, so that the candidates and their parents/guardians are sensitized in respect of the prohibition and consequences of ragging.
- 6.1.4 A Brochure or booklet/leaflet shall be distributed to each student at the beginning of each academic session for obtaining undertaking not to indulge or abet ragging and shall contain the blueprint of prevention and methods of redress.

The application form for admission/ enrolment shall have a printed undertaking, preferably both in English/Hindi and in one of the regional languages known to the institution and the applicant (English version given in Annexure I, Part I), to be filled up and signed by the candidate to the effect that he/she is aware of the law regarding prohibition of ragging as well as the punishments, and to the effect that he/she has not been expelled and/or debarred from admission by any institution and that he/she, if found guilty of the offence of ragging and/or abetting ragging, is liable to be punished appropriately.

- 6.1.5 The application form shall also contain a printed undertaking, preferably both in English/Hindi and in one of the regional languages known to the institution and the parent/ guardian (English version given in Annexure I, Part II), to be signed by the parent/ guardian of the applicant to the effect that he/ she is also aware of the law in this regard and agrees to abide by the punishment meted out to his/ her ward in case the latter is found guilty of ragging and/or abetting ragging.

A database shall be created out of affidavits affirmed by each student and his/her parents/guardians stored electronically, and shall contain the details of each student. The database shall also function as a record of ragging complaints received.

- 6.1.6 The application for admission shall be accompanied by a document in the form of the School Leaving Certificate/transfer certificate/migration certificate/ Character Certificate which shall include a report on the behavioral pattern of the applicant, so that the institution can thereafter keep intense watch upon a student who has a negative entry in this regard.
- 6.1.7 A student seeking admission to the hostel shall have to submit additional undertaking in the form of Annexure I (both Parts) along with his/ her application for hostel accommodation.

*The above sub-clause 6.1.7 shall be substituted in terms of notification published on 28.03.2016 in the Gazette of India with the following:*

- 6.1.7 *A student seeking admission to a hostel forming part of the Medical College /Institution/ University, or seeking to reside in any temporary premises not forming part of the institution, include a private commercially managed lodge or hostel, submit additional undertaking in the form of Annexure I (both Parts) along with his/her application for hostel accommodation*
- 6.1.8 At the commencement of the academic session the Head of the Institution shall convene and address a meeting of various functionaries/agencies, like Wardens, representatives of students, parents/ guardians, faculty, district administration including police, to discuss the measures to be taken to prevent ragging in the Institution and steps to be taken to identify the offenders and punish them suitably.
- 6.1.9 To make the community at large and the students in particular aware of the dehumanizing effect of ragging, and the approach of the institution towards those indulging in ragging, big posters (preferably multicolored with different colours for the provisions of law, punishments, etc.) shall be prominently displayed on all Notice Boards of all departments, hostels and other buildings as well as at vulnerable places. Some of such posters shall be of permanent nature in certain vulnerable places.
- 6.1.10 Apart from placing posters mentioned in sub-clause 6.1.9 above at strategic places, the Medical College/Institution shall undertake measures for extensive publicity against ragging by means of audio-visual aids, by holding counseling sessions, workshops, painting and design competitions among students and other methods as it deems fit.
- 6.1.11 The Medical College/Institution/University shall request the media to give adequate publicity to the law prohibiting ragging and the negative

aspects of ragging and the institution's resolve to ban ragging and punish those found guilty without fear or favour.

- 6.1.12 The Medical College/Institution/University shall identify, properly illuminate and man all vulnerable locations.

*The above sub-clause 6.1.12 shall be substituted in terms of notification published on 28.03.2016 in the Gazette of India with the following:*

- 6.1.12 *The Medical College/Institution/University shall identify, properly illuminate and keep a close watch on all locations known to be vulnerable to occurrences of ragging incidents*

- 6.1.13 The Medical College/Institution/University shall tighten security in its premises, especially at the vulnerable places. If necessary, intense policing shall be resorted to at such points at odd hours during the early months of the academic session.

*The above sub-clause 6.1.13 shall be substituted in terms of notification published on 28.03.2016 in the Gazette of India with the following:*

- 6.1.13 *The Medical College/Institution/University shall tighten security in its premises, especially at vulnerable places and intense policing by Anti-Ragging squad, referred to in these Regulations and volunteers, if any, shall be resorted to at such points at odd hours during the early months of the academic session.*

*The following clause shall be added after clause 6.1.13 in terms of notification published on 28.03.2016 in the Gazette of India:*

- 6.1.13(A) *The head of the institutions shall provide information to the local police and local authorities, the details of every privately commercially managed hostels or lodges used for residential purposes by students enrolled in the institution and the head of the institution shall also ensure that the Anti-Ragging Squad shall ensure vigil in such locations to prevent the occurrence of ragging therein.*

- 6.1.14 The Medical College/Institution/University shall utilize the vacation period before the start of the new academic year to launch wide publicity campaign against ragging through posters, leaflets, seminars, street plays, etc.

- 6.1.15 The faculties/ departments/ units of the Medical College/Institution /University shall have induction arrangements (including those which anticipate, identify and plan to meet any special needs of any specific section of students) in place well in advance of the beginning of the academic year with a clear sense of the main aims and objectives of the induction process.

The Principal or Head of the Institution/Department shall obtain an undertaking from every employee of the institution including teaching and non-teaching members of staff, contract labour employed in the premises either for running canteen or as watch and ward staff or for cleaning or maintenance of the buildings/lawns etc. that he/she would report promptly any case of ragging which comes to his/her notice. A provision shall be made in the service rules for issuing certificates of appreciation to such members of the staff who report ragging which will form part of their service record.

## 6.2. On admission:-

- 6.2.1 Every fresher admitted to the Medical College/Institution/University shall be given a printed leaflet detailing when and to whom he/she has to turn to for help and guidance for various purposes (including Wardens, Head of the institution, members of the anti-ragging committees, relevant district and police authorities), addresses and telephone numbers of such persons/authorities, etc., so that the fresher need not look up to the seniors for help in such matters and get indebted to them and start doing things, right or wrong, at their behest. Such a step will reduce the freshers' dependence on their seniors.

Every institution should engage or seek the assistance of professional counselors at the time of admissions to counsel 'freshers' in order to prepare them for the life ahead, particularly for adjusting to the life in hostels.

- 6.2.2 The Medical College/Institution/University through the leaflet mentioned above shall explain to the new entrants the arrangements for their induction and orientation which promote efficient and effective means of integrating them fully as students.
- 6.2.3 The leaflet mentioned above shall also inform the freshers about their rights as bonafide students of the institution and clearly instructing them that they should desist from doing anything against their will even if ordered by the seniors, and that they have nothing to fear as the institution cares for them and shall not tolerate any atrocities against them.
- 6.2.4 The leaflet mentioned above shall contain a calendar of events and activities laid down by the institution to facilitate and complement familiarization of freshers with the academic environment of the institution.
- 6.2.5 The Medical College/Institution/University shall also organize joint sensitization programmes of 'freshers' and seniors.

On the arrival of senior students after the first week or after the second week as the case may be, further orientation programmes must be scheduled as follows (i) joint sensitization programme and counseling of both 'freshers' and senior by a Professional counselor; (ii) joint orientation programme of 'freshers' and seniors to be addressed by the principal/Head of the institution, and the anti -ragging committee ; (iii) organization on a large scale of cultural, sports and other activities to provide a platform for the 'freshers' and seniors to interact in the presence of faculty members ; (iv) in the hostel, the warden should address all students; may request two junior colleagues from the college faculty to assist the warden by becoming resident tutors for a temporary duration.

*In sub-clause 6.2.5, the following shall be added after the end of second para thereof, in terms of notification published on 28.03.2016 in the Gazette of India.*

*(v) as far as possible faculty members should dine with the hostel residents in their respective hostels to instill a feeling of confidence among the freshers.*

- 6.2.6 Freshers shall be encouraged to report incidents of ragging, either as victims, or even as witnesses.

**UNIVERSITY GRANTS COMMISSION****NOTIFICATION**

New Delhi, the 29th June, 2016

**No. F. 1-15-/2009 (ARC).**—In exercise of powers conferred under clause (g) of sub-section (1) of section 26 of the University Grants Commission Act, 1956 (3 of 1956), the University Grants Commission hereby makes the following regulations namely:—

- (1) These regulations may be called “Curbing the menace of Ragging in Higher Educational Institutions (third amendment), Regulations, 2016.”
  - (2) They shall come into force on the date of their publications in the Official Gazette.
2. In UGC Regulations on Curbing the menace of Ragging in Higher Educational Institutions, 2009 (herein-after referred to as the Principal regulations), in Para 3 the following shall be added after 3(i) under heading what constitutes Ragging.—
- 3(j). Any act of physical or mental abuse (including bullying and exclusion) targeted at another student (fresher or otherwise) on the ground of colour, race, religion, caste, ethnicity, gender (including transgender), sexual orientation, appearance, nationality, regional origins, linguistic identity, place of birth, place of residence or economic background.

Prof. JASPAL S. SANDHU, Secy. (UGC)

[ADVT. III/4/Exty./149/(113)]

  
सत्यमेव जयते

# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 269]

नई दिल्ली, बुधवार, जून 29, 2016/आषाढ़ 8, 1938

No. 269]

NEW DELHI, WEDNESDAY, JUNE 29, 2016/ASHADHA 8, 1938

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग

अधिसूचना

नई दिल्ली, 29 जून, 2016

सं. फा. 1-15/2009(ए.आर.सी.).—विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 (3 का 1956) के अनुच्छेद 26 के उप-अनुच्छेद (1) की धारा (जी) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों के निष्पादन हेतु विश्वविद्यालय अनुदान आयोग निम्न विनियमों का सृजन करता है :—

- (1) ये विनियम "उच्च शिक्षा संस्थानों में रैगिंग अपराध निषेध विनियम, 2016 (तृतीय संशोधन)" के नाम से जाने जाएं।
- (2) ये विनियम राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से लागू माने जाएं।
2. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के विनियम, "उच्च शिक्षा संस्थानों में रैगिंग अपराध निषेध, 2009" (इसके उपरान्त प्रमुख विनियमों के सन्दर्भ में) के पैरा 3 के उप शीर्षक "रैगिंग कैसे होती है" 3(झ) के बाद निम्नलिखित को जोड़ा जाए :—
  - 3(ञ). किसी भी छात्र को (नवीन प्रविष्ट या अन्यथा) लक्षित करके रंग, प्रजाति, धर्म, जाति, जातिमूल, लिंग (उभय लैंगिकों सहित) लैंगिक प्रवृत्ति, बाह्य स्वरूप, राष्ट्रीयता, क्षेत्रीयमूल, भाषा वैशिष्ट्य, जन्म, निवास स्थान या आर्थिक पृष्ठभूमि के आधार पर शारीरिक अथवा मानसिक प्रताड़ना (दबंगई एवं बहिष्करण) का कृत्य।

प्रोफेसर जसपाल एस. सन्धू, सचिव (यूजीसी)

[विज्ञापन III/4/असा./149/(113)]

The above sub-clause 6.2.6 shall be substituted in terms of notification published on 28.03.2016 in the Gazette of India with the following:

- 6.2.6 Freshers or any other student(s) shall be encouraged to report incidents of ragging, either as victims, or even as witnesses. The identity of such informants shall be protected and shall not be subject to any adverse consequence only for the reason for having reported such incidents.

The following shall be added after the sub-clause 6.2.6, in terms of notification published on 28.03.2016 in the Gazette of India:

- 6.2.7 Each batch of freshers, on arrival at the institution, shall be divided into small group and each such group shall be assigned to a member of the faculty, who shall interact individually with each member of the group everyday for ascertaining the problems or difficulties, if any, faced by the fresher in the institution and shall extend necessary help to the fresher in overcoming the same.
- 6.2.8 Freshers shall be lodged, as far as may be, in a separate hostel block, and where such facility are not available, the institution shall ensure that access of seniors to accommodation allotted to freshers is strictly monitored by wardens, security guards and other staff of the institution.
- 6.2.9 A round the clock vigil against ragging in the hostel premises, in order to prevent ragging in the hostels after the classes are over, shall be ensured by the institution.

### 6.3. At the end of the academic year:-

- 6.3.1 At the end of every academic year the Dean/Principal/Director shall send a letter to the parents/guardians of the students who are completing the first year informing them about the law regarding ragging and the punishments, and appealing to them to impress upon their wards to desist from indulging in ragging when they come back at the beginning of the next academic session.
- 6.3.2 At the end of every academic year the Medical College/Institution /University shall form a 'Mentoring Cell' consisting of Mentors for the succeeding academic year. There shall be as many levels or tiers of Mentors as the number of batches in the institution, at the rate of 1 Mentor for 6 freshers and 1 Mentor of a higher level for 6 Mentors of the lower level.

Each batch of freshers should be divided into small groups and each such group shall be assigned to a member of the staff. Such staff member should interact individually with, each member of the group on a daily basis for ascertaining the problems/difficulties if any faced by the fresher in the institution and extending necessary help.

In the case of freshers admitted to a hostel it shall be the responsibility of the teacher in charge of the group to coordinate with the warden of the hostel and to make surprise visits to the rooms in the hostel where the members of the group are lodged.

### 6.4. Setting up of Committees and their functions:-

- 6.4.1 The Anti-Ragging Committee:- Every institution shall have an Anti-Ragging Committee and an Anti -Ragging Squad. The Anti-Ragging Committee shall be headed by the Head of the institution and shall consist



of representatives of civil and police administration, local media, Non Government Organizations involved in youth activities, faculty members, parents, students belonging to the freshers' category as well as seniors and non-teaching staff. It shall monitor the Anti Ragging activities in the institution, consider the recommendations of the Anti-Ragging Squad and take appropriate decisions, including spelling out suitable punishments to those found guilty.

- 6.4.2 The Anti-Ragging Squad:- The Anti-Ragging Squad shall be nominated by the Head of the institution with such representation as considered necessary and shall exclusively consist of members belonging to the various sections of the campus community. The Squad shall have vigil, oversight and patrolling functions. It shall be kept mobile, alert and active at all times and shall be empowered to inspect places of potential ragging and make surprise raids on hostels and other hot spots. The Squad shall investigate incidents of ragging and make recommendations to the Anti-Ragging Committee and shall work under the overall guidance of the Anti-Ragging Committee.

All matters of discipline within teaching institutions must be resolved within the campus except those impinging on law and order or breach of peace or public tranquility, all of which should be dealt with under the penal laws of the land

University Monitoring Cell At the level of the University, we recommend that there should be a Monitoring Cell on Ragging, which should coordinate with the affiliated colleges and institutions under its domain. The Cell should call for reports from the Heads of institutions in regard to the activities of the Anti-Ragging Committee, Anti - Ragging Squads, Monitoring Cells at the level of the institution, the compliance with instructions on conducting orientation programmes, counseling sessions, the incidents of ragging, the problems faced by wardens or other officials. It should also keep itself abreast of the decisions of the District level Anti - Ragging Committee. This Monitoring Cell should also review the efforts made by institutions to publicize anti - ragging measures, soliciting of undertaking from parents and students each year to abstain from ragging activities or willingness to be penalized for violations; and should function as the prime mover for initiating action on the part of the appropriate authorities of the university for amending the Statutes or Ordinances or Bye -laws to facilitate the implementation of anti-ragging measures at the level of the institution.

**6.5. Other measures:-**

- 6.5.1 The Annexures mentioned in 6.1.4, 6.1.5 and 6.1.7 of these Regulations shall be furnished at the beginning of each academic year by every student, that is, by freshers as well as seniors.
- 6.5.2 The Medical College/Institution /University shall arrange for regular and periodic psychological counseling and orientation for students (for freshers separately, as well as jointly with seniors) by professional counselors during the first three months of the new academic year. This shall be done at the institution and department/ course levels. Parents and teachers shall also be involved in such sessions.
- 6.5.3 Full-time warden shall be appointed as per the eligibility criteria laid down for the post reflecting both the command and control aspects of maintaining discipline, as well as the softer skills of counseling and communicating with the youth outside the class-room situations. Wardens shall be accessible at all hours and shall be provided with mobile phones and the details of their telephone number must be widely publicized. Similarly, the telephone numbers of the other important functionaries - Heads of institutions, faculty members, members of the anti-ragging committees, district and sub-divisional authorities and state authorities where relevant, should also be widely disseminated for the needy to get in touch or seek help in emergencies. The institution shall review and suitably enhance the powers and perquisites of Wardens and authorities involved in curbing the menace of ragging.

Further the institutions shall provide necessary incentives for the post of full-time warden, so as to attract suitable candidates.

- 6.5.4 Freshers shall be lodged in a separate hostel block, wherever possible, and where such facilities are not available, the college/institution shall ensure that seniors' access to freshers' accommodation is strictly monitored by wardens, security guards and college staff.

As ragging takes place mostly in the hostels after the classes are over in the college, a round the clock vigil against ragging in the hostel premises shall be provided. It is seen, that college canteens and hostel messes are also places where ragging often takes place. The employers/employees of the canteens/mess shall be given necessary instructions to keep strict vigil and to report the incidents of ragging to the college authorities if any.

The security personnel posted in hostels shall be under the direct control of the Wardens and assessed by them.

- 6.5.5 Private commercially managed lodges and hostels shall be registered with the local police authorities, and this shall be done necessarily on the recommendation of the Head of the institution. Local police, local administration and the institutional authorities shall ensure vigil on incidents that may come within the definition of ragging and shall be responsible for action in the event of ragging in such premises, just as they would be for incidents within the campus. Managements of such private hostels shall be responsible for action in the event of ragging in such premises, just as they would be for incidents within campuses.

- 6.5.6 Besides registering private hostels as stated above, the towns or cities where educational institutions are located should be apportioned as sectors among faculty members, as is being done by some institutions, so that they could maintain vigil and report any incidents of ragging outside campuses and en route while 'freshers' commute.
- 6.5.7 The Head of the institution shall take immediate action on receipt of the recommendations of the Ant-Ragging Squad. He/ She shall also take action suo motu if the circumstances so warrant.
- 6.5.8 Freshers who do not report the incidents of ragging either as victims or as witnesses shall also be punished suitably.
- 6.5.9 Anonymous random surveys shall be conducted across the 1st year batch of students (freshers) every fortnight during the first three months of the academic year to verify and cross-check whether the campus is indeed free of ragging or not. The institution may design its own methodology of conducting such surveys.
- 6.5.10 The burden of proof shall lie on the perpetrator of ragging and not on the victim.
- 6.5.11 The institution shall file an FIR with the police / local authorities whenever a case of ragging is reported, but continue with its own enquiry and other measures without waiting for action on the part of the police/ local authorities. Remedial action shall be initiated and completed within the one week of the incident itself.
- 6.5.12 The Migration/Transfer Certificate issued to the student by the Medical College/Institution /University shall have an entry, apart from those relating to general conduct and behaviour, whether the student has been punished for the offence of committing or abetting ragging, or not, as also whether the student has displayed persistent violent or aggressive behaviour or any inclination to harm others.
- 6.5.13 Preventing or acting against ragging shall be the collective responsibility of all levels and sections of authorities or functionaries in the Medical College/Institution /University, including faculty, and not merely that of the specific body/ committee constituted for prevention of ragging.
- 6.5.14 As such the college canteens and hostel messes are also places where ragging often takes place, hence the employers/employees of the canteens/mess shall be given necessary instructions to keep strict vigil and to report the incidents of ragging to the college authorities, if any.

Further access to mobile phones and public phones shall be unrestricted in hostels and campuses, except in class-rooms, seminar halls, library etc. where jammers shall be installed to restrict the use of mobile phones.

**6.6 Measures for encouraging healthy interaction between freshers and seniors:-**

- 6.6.1 The Medical College/Institution /University shall set up appropriate committees including the course-in-charge, student advisor, Warden and some senior students to actively monitor, promote and regulate healthy interaction between the freshers and senior students.

- 6.6.2 Freshers' welcome parties shall be organized in each department by the senior students and the faculty together soon after admissions, preferably within the first two weeks of the beginning of the academic session, for proper introduction to one another and where the talents of the freshers are brought out properly in the presence of the faculty, thus helping them to shed their inferiority complex, if any, and remove their inhibitions.
- 6.6.3 The Medical College/Institution /University shall enhance the student-faculty interaction by involving the students in all matters of the institution, except those relating to the actual processes of evaluation and of faculty appointments, so that the students shall feel that they are responsible partners in managing the affairs of the institution and consequently the credit due to the institution for good work/ performance is due to them as well.

## 7. **Regulatory Measures**

The inspecting/visiting committees of MCI shall cross verify that the medical college/institution has strictly complied with the anti ragging measures and has a blemishless record in terms of there being no incident of ragging during the impending period (i.e. from earlier inspection) or otherwise.

## 8. **Awardable Punishments.**

### 8.1 **At the Medical College/Institution level:**

Depending upon the nature and gravity of the offence as established by the Anti-Ragging Committee of the institution, the possible punishments for those found guilty of ragging at the institution level shall be any one or any combination of the following:

- 8.1.1 Suspension from attending classes and academic privileges.
- 8.1.2 Withholding/withdrawing scholarship/ fellowship and other benefits
- 8.1.3 Debarring from appearing in any test/ examination or other evaluation Process.
- 8.1.4 Withholding results
- 8.1.5 Debarring from representing the institution in any regional, national or international meet, tournament, youth festival, etc.
- 8.1.6 Suspension/ expulsion from the hostel
- 8.1.7 Cancellation of admission.
- 8.1.8 Rustication from the institution for period ranging from 1 to 4 semesters
- 8.1.9 Expulsion from the institution and consequent debarring from admission to any other institution for a specific period.
- 8.1.10 Fine of Rs. 25,000/- and Rs. 1 lakh.
- 8.1.11 Collective punishment: When the persons committing or abetting the crime of ragging are not identified, the institution shall resort to collective punishment.

### 8.2 **Penal consequences for the heads of the institutions/administration of the institution who do not take timely steps in the prevention of ragging and punishing those who rag.**

The authorities of the institution particularly the Head of the institution, shall be responsible to ensure that no incident of ragging takes place in the institution. In case any incident of ragging takes place, the Head shall

take prompt and appropriate action against the person (s) whose dereliction of duty lead to the incident. The authority designated to appoint the Head shall, in its turn, take prompt and appropriate action against the Head.

In addition to penal consequences, departmental enquiries be initiated against such heads institutions / members of the administration / faculty members / non-teaching staff, who display an apathetic or insensitive attitude towards complaints of ragging.

**8.3 At the MCI level**

- 8.3.1 Impose an exemplary fine of Rs. 1 lakh for each incident of ragging payable by erring medical college/institution to such authority as may be designated by the appropriate Govt., as the case may be.
- 8.3.2 Declare the erring Medical College/Institution/University as not having the minimum academic standards and warning the potential candidates for admission at such institution through public notice and posing on the MCI website.
- 8.3.3 Declare the erring Medical College/Institution/University to be ineligible for preferring any application u/s 10A of the Indian Medical Council Act, 1956 for a minimum period of one year, extendable by such quantum by the Council as would be commensurate with the wrong.

**(Lt. Col. (Retd.) Dr. A.R.N. Setalvad)**  
**SECRETARY**

## ANNEXURE I, Part I

## UNDERTAKING BY THE CANDIDATE/STUDENT

1. I, \_\_\_\_\_  
S/o. D/o. of Mr./Mrs./Ms. \_\_\_\_\_  
have carefully read and fully understood the law prohibiting ragging and the directions of the Supreme Court and the Central/State Government in this regard.
2. I have received a copy of the MCI Regulations on Curbing the Menace of Ragging in Higher Educational Institutions, 2009.
3. I hereby undertake that-
  - I will not indulge in any behavior or act that may come under the definition of ragging,
  - I will not participate in or abet or propagate ragging in any form,
  - I will not hurt anyone physically or psychologically or cause any other harm.
4. I hereby agree that if found guilty of any aspect of ragging, I may be punished as per the provisions of the MCI Regulations mentioned above and/or as per the law in force.

Signed this \_\_\_\_\_ day of \_\_\_\_\_ month of \_\_\_\_\_ year

Signature

Address: \_\_\_\_\_

\_\_\_\_\_

\_\_\_\_\_

Name:

(1) Witness:

(2) Witness:

ANNEXURE I, Part II

UNDERTAKING BY PARENT/GUARDIAN

1. I, \_\_\_\_\_  
F/o. M/o. G/o \_\_\_\_\_  
have carefully read and fully understood the law prohibiting ragging and the directions of the Hon'ble Supreme Court and the Central/State Government in this regard as well as the MCI Regulations on Curbing the Menace of Ragging in Higher Educational Institutions, 2009.
2. I assure you that my son/ daughter/ ward will not indulge in any act of ragging.
3. I hereby agree that if he/she is found guilty of any aspect of ragging, he/she may be punished as per the provisions of the MCI Regulations mentioned above and/or as per the law in force.

Signed this \_\_\_\_\_ day of \_\_\_\_\_ month of \_\_\_\_\_ Year

Signature

Address: \_\_\_\_\_

\_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_

Name:

(1) Witness:

(2) Witness:

## University Grants Commission

No. F. 15-3/2012 (ARC)

8 October, 2012

In exercise of powers conferred under clause (g) of sub-section (1) of section 26 of the University Grants Commission Act 1956 (3 of 1956) the, University Grants Commission here by makes the following regulations, namely:-

- (1) These regulations may be called the "curbing the Menace of Ragging in Higher Educational Institutions (Amendment) Regulations, 2012."
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In UGC Regulations on Curbing the Menace of Ragging in Higher Educational Institutions, 2009, (hereinafter referred to as the Principal regulations), in regulation 1, in sub-regulation 1.1, for the letters and words "UGC Regulations on curbing the Menace of Ragging in Higher Educational Institutions", the words "Curbing the Menace of Ragging in Higher Educational Institutions Regulations" shall be substituted.

3. In the principal regulations, in regulation 8,

- (a) In sub-regulation 8.1, in clause (f), for the words "Central Government", the words "University Grants Commission" shall be substituted;
- (b) In sub-regulation 8.2, in clause (f), for the words, brackets, letter and figures "clause (g) of regulation 8.1", the words, brackets, letter and figures "clause (f) of Regulation 8.1" shall be substituted.

**Foot Note:** The principal Regulations were published in the Gazette of India, vide notification number 27 dated 04.07.2009.

(N. Adil Kazmi)  
Secretary



## विश्वविद्यालय अनुदान आयोग

दिनांक 8 अक्टूबर 2012

मि.सं. 15-3/2012 (ए.आर.सी.)--

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1956 (3,1956) की धारा 26 के खण्ड (जी) की उपधारा (1) के निष्पादन के अनुक्रम में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा निम्न विनियम का सृजन किया जाता है:-

(1) इन विनियम को "उच्चतर शैक्षणिक संस्थानों में रैगिंग के जोखिम को नियंत्रित करने वाले विनियम (संशोधित), 2012" के नाम से जाना जाएगा।

(2) ये समस्त विनियम सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से ही लागू माने जाएंगे।

2. "उच्चतर शैक्षणिक संस्थानों में रैगिंग के जोखिम पर नियंत्रण संबंधी विनियम" — इन शब्दों को निम्न रूप से प्रतिस्थापित किया जाएगा— "विश्वविद्यालय अनुदान आयोग विनियम, 2009 जो कि उच्चतर शैक्षणिक संस्थानों में रैगिंग के जोखिम पर नियंत्रण हेतु आयोग द्वारा निर्मित किए गए हैं (भविष्य में जो मुख्य विनियमों के रूप में जाने जाएंगे जो कि विनियम 1, के उप विनियम 1.1 के अन्तर्गत — "उच्चतर शैक्षणिक संस्थानों में रैगिंग के जोखिम पर नियंत्रण संबंधी विनियम", प्रयुक्त किये जाएंगे)

3. मुख्य विनियमों में विनियम 8 के अन्तर्गत जिन्हें सम्मिलित किया गया है:

(क) उप विनियम 8.1, खण्ड (एफ) में व्यक्त शब्दों को "केन्द्रीय सरकार" के स्थान पर 'विश्वविद्यालय अनुदान आयोग' द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा।

(ख) उप विनियम 8.2 खण्ड (एफ) में प्रयुक्त शब्दों, कोष्ठकों, वर्णों एवं संख्याओं के स्थान पर "विनियम 8.1, खण्ड (जी)" के अन्तर्गत शब्द, कोष्ठक, वर्ण एवं संख्यायें जो प्रयुक्त की गई हैं उन्हें "विनियम 8.1 के खण्ड (एफ)" के द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा।

**टिप्पणी:**

मुख्य विनियम, भारत के राजपत्र, अधिनियम संख्या 27 दिनांक 04.07.2009 में प्रकाशित किये गए थे।

(एन. आदिल काज़मी)  
सचिव